जल्दी शुरू होगा सिंगल ट्रेड लाइसेंस पोर्टल!

मंत्री पीयूष गोयल का सुझाव–'एक राष्ट्र, एक लाइसेंस' की दिशा में बड़ा कदम

नयी दिल्ली, 25 नवंबर. केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को सुझाव दिया कि ट्रेड लाइसेंस के लिए सिंगल पोर्टल की शुरुआत दिल्ली और महाराष्ट्र जैसे राज्यों से की जा सकती है.

श्री गोयल ने यहां अखिल भारतीय व्यापारी परिसंघ (कैट) के राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि मौजूदा सरकार ने कारोबार को आसान बनाने और कामगारों की भलाई के लिए कई कदम उठाये हैं. जन विश्वास विधेयक के जरिये कारोबार को आसान बनाने में काफी सुधार हुआ है, जो प्रक्रिया को आसान बनाता है और अनुपालन का बोझ कम करता है.

एक राष्ट्र, एक लाइसेंस के विचार पर उन्होंने सुझाव दिया कि एक प्रायोगिक पहल के तौर पर दिल्ली और महाराष्ट्र जैसे राज्य नगर निकाय और राज्य सरकार के ट्रेड लाइसेंस को एकीकृत करते हुए एक सिंगल ऑनलाइन पोर्टल बनाने पर विचार कर सकते हैं.

केंद्रीय मंत्री ने हाल ही में लागू किये गये चार श्रम कानूनों का जिक्र करते हुए कहा कि इससे असंगठित क्षेत्रों में काम करने वाले और कौशल आधारित छोटे-मोटे काम करने वाले (गिग वर्कर्स) लोगों को काफी फायदे होंगे. इन कामगारों को पहले कई फॉर्म, निरीक्षण और मुश्किल नियमों से गुजरना पड़ता था. नया ढांचा प्रक्रिया को आसान बनाता है और सही सुविधाएं, सामाजिक सुरक्षा और बेहतर काम करने के हालात सुनिश्चित करता है.

> उन्होंने व्यापारियों से स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने की अपील करते हुए कहा कि आपूर्तिकर्ता को उत्पाद की पैकेजिंग पर विनिर्माण की जगह साफ-साफ लिखनी चाहिये. श्री गोयल ने गुरु तेग बहादुर के बलिदान दिवस पर उन्हें याद किया और कहा कि उनके बताये आदर्शों पर चलने से देश को गर्व और सम्मान मिलेगा और देश का भविष्य उज्ज्वल होगा. जिस सोच से गुरु तेग बहादुर ने देश को एकजुट किया, उसे याद रखना देश की तरक्की को दिशा दिखाता रहेगा.

ऐतिहासिक गिरावट से उबरा रुपया, 50 पैसे मजबूत

मुंबई, 25 नवंबर. अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 50.50 पैसे की मजबूती के साथ 89.16 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ. भारतीय मुद्रा पिछले कारोबारी दिवस पर 21 नवंबर को 98 पैसे लुढ़ककर 89.6650 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुई थी. यह पहला अवसर था जब एक डॉलर 89 रुपये से अधिक का बोला गया था. रुपये में आज शुरू से ही तेजी रही. यह 20.50 पैसे की बढ़त में 89.46 रुपये प्रति डॉलर पर खुला. इसमें दिन के दौरान काफी उतार-चढ़ाव देखा गया. यह नीचे 89.50 रुपये प्रति डॉलर और ऊपर 89.05 रुपये प्रति डॉलर तक गया. दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर सूचकांक आज 0.10 प्रतिशत कमजोर हुआ.

एमएसएमई को डिजिटल ताकत देगा नया इंडऐप

नयी दिल्ली 25 नवंबर (वार्ता) राष्ट्रीय उद्योग अनुसंधान और विकास परिषद को सुक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम की भागीदारी और लोगों तक पहुंच बढ़ाने के लिए बुधवार को इंडऐप लॉन्च करेगी.

इसकी घोषणा सोमवार को यहां एनआईआरडीसी के अधिकारियों ने की. इस ऐप को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय ब्रांड प्रतिस्पर्धी बनाने, भारतीय कारीगरों और शिल्पकारों को वैश्विक पहचान दिलाने और एमएसएमई को विकसित भारत के दृष्टिकोण में योगदान करने में सक्षम बनाने के लक्ष्य के साथ तैयार किया गया है.

इस मौके पर एनआईआरडीसी के राष्टीय अध्यक्ष, शंभू सिंह ने कहा, भौतिक पहुँच को डिजिटल समर्थन के साथ एकीकृत करके, इंडऐप पारदर्शिता, दक्षता और समावेशी भागीदारी को बढ़ावा देता है. यह हाइब्रिड जुड़ाव मॉडल सुनिश्चित करता है कि छोटे से छोटे उद्यम भी विकास और नवाचार के लिए व्यक्तिगत और आभासी दोनों रास्तों का लाभ उठाते हुए राष्टीय और वैश्विक अवसरों तक पहुँच सकें. वहीं, एनआईआरडीसी के उपाध्यक्ष ललित वर्मा ने कहा, इंडऐप बहु-क्षेत्रीय, बहु-उपयोगिता मॉडल है. मौजूदा समय में देश को इस मॉडल की सबसे अधिक आवश्यकता है. नौकरशाही प्रक्रियाओं के माध्यम से पहुँच को केंद्रीकृत करने और नेविगेशन को सरल बनाने में यह ऐप कारगर है और सरकारी पहलों से लाभ उठाने के लिए आवश्यक समय और प्रयास को काफी कम कर देता है. इस ऐप का 26 नवंबर को सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री लॉन्च करेंगे. इस ऐप के माध्यम से अन्य मंत्रालय योजनाओं और अनुमतियों का लाभ उठाया जा सकता है.

नये अवतार में लांच की गयी टाटा सिएरा

मुंबई, 25 नवंबर. टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स ने टाटा सिएरा को नये अवतार में भारतीय बाजार में एक बार फिर पेश किया है. कंपनी ने मंगलवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि नये जमाने के लिए नये सिरे से बनायी गयी सिएरा ने अपनी पुरानी शानदार विरासत और खास पहचान को बरकरार रखा है और आधुनिकता को भी अपनाया है.

सिएरा पहली बार 1991 में लॉन्च की गयी थी. नये अवतार में टाटा सिएरा की कीमत 11.49 लाख रुपये से शुरू होती है. इसमें 1.5 लीटर का टीजीडीआई हाइप्रियन पेट्रोल इंजन है. इसे चार वेरिएंट स्मार्ट, प्योर, एडवेंचर और एकंप्लिश्ड में लॉन्च किया गया है. टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी शैलेश चंद्रा ने लॉन्चिंग के मौके पर कहा, नयी सिएरा के साथ हम भारतीय मोबिलिटी के लिए एक नया मापदंड स्थापित कर रहे हैं. टाटा सिएरा यह साबित करती है कि ग्राहक अब साधारण से कहीं अधिक की अपेक्षा रखते हैं - उन्हें ऐसा नवाचार चाहिये जो प्रेरित करे, ऐसा डिजाइन चाहिये जो दिल से जुड़ जाये.

अकासा एयर फरवरी से डिब्रूगढ़ के लिए शुरू करेगी उड़ान

नयी दिल्ली, 25 नवंबर. नवोदित विमान सेवा कंपनी अकासा एयर ने अपने नेटवर्क का विस्तार करते हुए अगले साल फरवरी से असम के डिब्रूगढ़ के लिए उड़ान शुरू करने की घोषणा की है. एयरलाइंस ने मंगलवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि वह 01 फरवरी 2026 से पश्चिम बंगाल के बागडोगरा से डिब्रूगढ़ के लिए सीधी उड़ान शुरू करेगी जबकि बेंगलुरु से बागडोगरा के रास्ते डिब्रूगढ़ के लिए उड़ान उपलब्ध होगी. यह उड़ान सप्ताह में तीन दिन मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को उपलब्ध होगी. उड़ान संख्या क्यूपी 1850 सुबह 5:25 बजे बेंगलुरु से रवाना होगी और 8:20 पर बागडोगरा पहुंचेगी. वहां से 8:55 पर वह डिब्रूगढ़ के लिए उड़ान भरेगी.

होटल-किसान साझेदारी विकास की कुंजी

एफपीओ और होटल उद्योग के लिए साझा लाभ मॉडल

पर्यटन-आधारित मूल्य श्रृंखला को मजबूती मिलेगी

नयी दिल्ली, 25 नवंबर. कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के सचिव देवेश चतुर्वेदी ने आतिथ्य उद्योग से आग्रह किया कि वे किसान उत्पादक संगठनों के साथ व्यवस्थित और दीर्घकालिक साझेदारी करें क्योंकि उच्च गुणवत्ता वाले कृषि उत्पादों की स्थायी और विश्वसनीय आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए ये अनिवार्य हैं.

फेडरेशन ऑफ होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशंस ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित एफपीओ-हॉस्पिटैलिटी एंड फार्मर्स बेनिफिट समिट 2025 में श्री चतुर्वेदी ने कहा कि एफपीओ और होटल उद्योग के बीच सीधे संबंध सभी के लिए लाभदायक होंगे. किसानों की आय बढ़ेगी और होटलों को रसायन-मुक्त, उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों की सुनिश्चित आपूर्ति मिल सकेगी.

> पर्यटन मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव और महानिदेशक सुमन बिल्ला ने कहा कि भारत को एक तेज, संगठित और संरचित किसान-होटल साझेदारी ढांचे की जरूरत है. इससे सरकार का विजन तेजी से पूरा होगा, ग्रामीण आजीविका मजबूत होगी और पर्यटन-आधारित मूल्य श्रृंखला को मजबूती मिलेगी. एफएचआरएआई के अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार जायसवाल ने कहा कि होटल उद्योग एफपीओ से सीधे कृषि उत्पाद खरीदने के लिए तैयार है, बशर्ते आपूर्ति नियमित और गुणवत्ता-आधारित हो. होटल एसोसिएशन ऑफ इंडिया के महासचिव एम.पी. बेज़बरुआ ने होटल उद्योग को बुनियादी ढांचे का दर्जा देने की पुरानी मांग दोहराई, जिससे इस क्षेत्र के लिए नये विकास अवसर खुलेंगे.

शेयर बाजारों में आई गिरावट

313 अंक से नीचे आया सेंसेक्स

74.70 अंक से लुढ़का निफ्टी

मुंबई, 25 नवंबर (वार्ता) विदेशों से मिले सकारात्मक संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजारों में मंगलवार को लगातार तीसरे दिन गिरावट देखी गयी और बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 313.70 अंक टूटकर 84,587.01 अंक पर आ गया.

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 74.70 अंक यानी 0.29 प्रतिशत गिरकर 25,884.80 अंक पर बंद हुआ. आईटी, एफएमसीजी, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद, ऑटो, तेल एवं गैस और मीडिया सेक्टरों की कंपनियों में बिकवाली का जोर रहा. रियलिटी, बैंकिंग, फार्मा, धातु और स्वास्थ्य सेक्टरों की कंपनियों में लिवाली देखी गयी. दिग्गज कंपनियों के उलट मझौली और छोटी कंपनियों में निवेशकों ने विश्वास दिखाया. निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.56 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.19 प्रतिशत की बढ़त में बंद हुआ. एनएसई में जिन 3,214 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें से 1,596 के शेयरों में तेजी और 1,540 में गिरावट रही जबकि 78 कंपनियों के शेयर दिन भर के उतार-चढ़ाव के बाद अंततः अपरिवर्तित रहे.

पैरागॉन गीज की व्यापार मेले में पकड़

नई दिल्ली, 25 नवंबर. अन्तरर्राष्ट्रीय व्यापार मेला (प्रगति मैदान) के हाल नं. 11 स्टॉल नं. 1 आई पर पैरागॉन प्रोडक्ट्स का स्टाल आम गृहणियों व दर्शकों के आकर्षण का मुख्य केन्द्र बना हुआ है.

कम्पनी के मैनेजिंग डायरेक्टर रवि किरण सूद व तुषार सूद ने बताया कि इनकी कम्पनी के तकनीत विशेषज्ञों की कड़ी मेहनत एवं अनुसंधान का परिणाम नई खुबियों वाला पैरागॉन बहुउद्देशीय पानी गर्म करने का गीजर जो एक साथ तीन प्रकार के कार्य करता है. सुबह नहाने के समय एक के बाद बाल्टी गर्म पानी उपलब्ध कराता है. इससे 2 लीटर से ज्यादा उबला हुआ पानी साड़े तीन घंटे तक ठण्डा नहीं होता जबकि सामान्य स्टोरेज गीज में 20-30 मिनट में ही पानी ठण्डा होना शुरू हो जाता है.

मजबूत प्लास्टिक बॉडी का होने के कारण यह पूर्णतः जंग रहित है एवं इसमें बिजली का करंट

डाटा सेंटर ऑपरेशन में दो साल रहेगी जबरदस्त तेजी : क्रिसिल

नयी दिल्ली, 25 नवंबर. बाजार अध्ययन एवं साख निर्धारक एजेंसी क्रिसिल रेटिंग्स ने मार्च 2028 तक डाटा सेंटर ऑपरेशन में सालाना 20-22 प्रतिशत राजस्व बढ़ने का अनुमान व्यक्त किया है

. क्रिसिल रेटिंग्स ने मंगलवार को जारी रिपोर्ट में कहा कि देश में डाटा सेंटरों की कुल क्षमता मार्च 2028 तक दोगुनी होकर 2.3-2.5 गीगावाट तक पहुंचने की संभावना है. साथ ही, डाटा सेंटर ऑपरेटरों का राजस्व बढ़कर वित्त वर्ष 2027-28 में 20 हजार करोड़ रुपये सालाना तक पहुंच जायेगी. डाटा सेंटरों में वृद्धि के तीन प्रमुख कारण होंगे. पहला, तेजी से हो रहे डिजिटल परिवर्तन और आधुनिकी करण के साथ कंपनियां सार्वजनिक क्लाउडों को अपना रही हैं. दूसरा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रौद्योगिकियों में निवेश से उच्च-घनत्व वाली कंप्यूटिंग अवसंरचनाओं की मांग बढ़ेगी. तीसरा, 5जी प्रौद्योगिकी के विस्तार के साथ वीडियो स्ट्रीमिंग गेमिंग जैसे तेज डाटा वाले ऐप की मांग बढ़ेगी.

बंशी मुरेना वाला स्टाल दर्शकों का पसंदीदा

नई दिल्ली, 25 नवंबर. अन्तरर्राष्ट्रीय व्यापार मेले के प्रथम मंजिल के हाल नं. 5 में हरियाणा पवैलियन के स्टॉल नं. 13 पर बंशी मुरेना वाला का स्टाल पर आप गृहणियों के आकर्षण व जिज्ञासा का केन्द्र बना हुआ है. कम्पनी के मैनेजिंग डायरेक्टर प्रदीन जगा ने बताया कि व्यापार मेले में हमारा लक्ष्य पैसा कमाना नहीं अर्थात अपने पूरे उत्पाद की रेंज की जानकारी जनता को बताना है.

हमारी कम्पनी की गजक में चालीस वैरायटियां जो अलग-अलग स्वाद में उपलब्ध कम मीठा शुद्ध एवं उच्च गुणवत्ता के बारे में कोई कम्प्रोमाइज नहीं करती. प्रदीप जगा के अनुसार इनकी कम्पनी के विशेषज्ञों की कड़ी मेहनत एवं अनुसंधान का परिणाम नई खुबियों से गजक में चालीस वैरायटियां बनाई है.

समाचार विशेष

खत्म होगा सपा-कांग्रेस का रिश्ता?

बिहार की हार के बाद सियासी भूचाल, अखिलेश तक पहुंच गया मैसेज

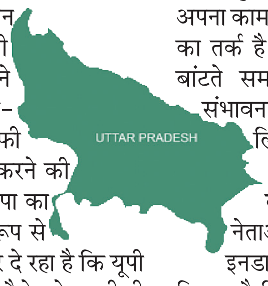

लखनऊ. बिहार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन को करारी हार मिली. इस चुनाव में कांग्रेस का प्रदर्शन काफी निराशाजनक रहा. बिहार के बाद, उत्तर प्रदेश में भी 2027 में विधानसभा चुनाव होंगे.

बिहार के नतीजों को देखते हुए समाजवादी पार्टी अलर्ट हो गई है. समाजवादी पार्टी नेताओं के एक ग्रुप का मानना है कि 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस के साथ गठबंधन की रणनीति पर फिर से विचार करने की ज़रूरत है. इन नेताओं ने यह संदेश पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव तक पहुंचाया है. एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इन नेताओं ने सपा हाईकमान को बिहार जैसी स्थिति से बचने के लिए सीट-शेयरिंग को काफी पहले फाइनल करने की सलाह दी है. सपा का यह गुट मुख्य रूप से इस बात पर जोर दे रहा है कि यूपी में सीट शेयरिंग जैसे मुद्दे जल्दी ही सुलझा लिए जाएं. उनका मानना है कि आखिरी समय की खींचतान और कन्फ्यूजन से बचने के लिए चुनाव से काफी पहले सीट-शेयरिंग को फाइनल कर लेना चाहिए ताकि दोनों पार्टियां अपने-अपने चुनाव क्षेत्रों में मजबूती से अपना काम शुरू कर सकें. नेताओं का तर्क है कि कांग्रेस को सीटें बांटते समय अपनी जीत की संभावनाओं पर विचार करने के लिए कहा जाना चाहिए.

कांग्रेस को नहीं दें कमजोर सीटें- सपा नेताओं के इस संदेश से इनडायरेक्टली यह इशारा मिलता है कि सपा अपने कोटे से उन सीटों को देने में हिचकिचा रही है जहां कांग्रेस का बेस कमजोर है, क्योंकि बिहार में कांग्रेस के खराब परफॉर्मेंस को महागठबंधन की हार का एक बड़ा कारण माना जा रहा है.

लोकसभा चुनाव में किया था कमाल

> उत्तर प्रदेश में सपा और कांग्रेस ने मिलकर लोकसभा इलेक्शन लड़ा था. सपा ने 37 सीटें जीती थीं, जबकि कांग्रेस ने 17 में से छह सीटें जीती थीं. यह 2009 के बाद से यूपी में कांग्रेस का सबसे अच्छा परफॉर्मेंस था. सपा और कांग्रेस ने 2017 के यूपी असेंबली इलेक्शन में भी अलायंस किया था, लेकिन दोनों को करारी हार मिली थी. सपा चीफ अखिलेश यादव पहले ही पब्लिकली अनाउंस कर चुके हैं कि 'इंडिया' गठबंधन बना रहेगा और पार्टी 2027 का चुनाव कांग्रेस के साथ अलायंस में लड़ेगी. लेकिन बिहार के नतीजों ने पार्टी के अंदर स्ट्रेटेजिक रीथिंकिंग की मांग तेज कर दी है.

क्या साथ आएंगे भाजपा-एसएडी?

चंडीगढ़. पंजाब की तरन तारन सीट पर हुए उपचुनाव के नतीजे आने के बाद राज्य की तमाम प्रमुख राजनीतिक पार्टियां 2027 में होने जा रहे विधानसभा चुनाव के गुना-भाग में लग गई हैं. यह चुनाव फरवरी 2027 में होने की उम्मीद है.

दोस्ती टूटने के बाद भाजपा और शिरोमणि अकाली दल (एसएडी) को राज्य के चुनावों में लगातार हार मिलती आई है. वहीं, तरन तारन उपचुनाव के नतीजे कांग्रेस के लिए चेतावनी हैं. यूं तो आम आदमी पार्टी ने यह सीट जीती है, लेकिन भगवंत मान सरकार की राह भी आसान नहीं रहने वाली. कई वजहों से आज पंजाब की राजनीति एक दिलचस्प मोड़ पर नजर आ रही है.

पंजाब में 2007 से 2017 तक गठबंधन सरकार चलाने वाले एसएडी और भाजपा के रास्ते 2020 में अलग हो गए थे. तब अकाली दल ने अब निरस्त हो चुके कृषि कानूनों के मुद्दे पर एनडीए से नाता तोड़ लिया था. उस समय अकाली दल ने भाजपा पर किसानों की चिंताओं की अनदेखी का आरोप लगाया था. उसके बाद पंजाब में विधानसभा चुनाव, लोकसभा चुनाव और फिर विधानसभा उपचुनावों में भाजपा की हार हुई है. अकाली दल भी हाशिये पर है. अब सबकी नजरें 2027 विधानसभा चुनाव पर हैं.

आदिवासी वोटों में सेंधमारी नहीं कर पाए चम्पाई

रांची. कभी झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की अग्रणी कतार के नेताओं शामिल रहे पूर्व सीएम चम्पाई सोरेन को इस उद्देश्य से भाजपा ने दल में सम्मिलित कराया था कि वे अपने प्रभाव का उपयोग कर आदिवासी वोटों में सेंधमारी कर पाएंगे.

इससे झामुमो को झटका मिलेगा, लेकिन एक वर्ष के अंतराल में वे अपनी खास उपयोगिता सिद्ध नहीं कर पाए. मोर्चा के आधार वोट में कोई सेंधमारी नहीं हुई और यह निरंतर मजबूत हुआ. पार्टी ने पहले की अपेक्षा शानदार प्रदर्शन करते हुए गठबंधन दलों के साथ एक छोड़ 2024 के विधानसभा चुनाव में 28 में से 27 आदिवासी सुरक्षित सीट झटक लिए.

हाल ही में संपन्न घाटशिला सुरक्षित सीट पर उपचुनाव में दोबारा चम्पाई सोरेन के पुत्र बाबूलाल सोरेन को भाजपा ने टिकट इस आस में दिया था कि चम्पाई के आभामंडल का लाभ उठाकर यह सीट झामुमो के कब्जे से निकाल पाएंगे, लेकिन पुत्र का राजनीतिक करियर आरंभ करने में चम्पाई सोरेन को असफलता हाथ लगी. सितंबर 2024 में चम्पाई सोरेन ने झामुमो छोड़कर भाजपा का दामन थामा था. यह कदम भाजपा की लंबी रणनीति का हिस्सा था, जिसका मकसद झारखंड के आदिवासी वोटों को अपने पाले में लाना था. चम्पाई को उनकी झामुमो में लंबी पारी और आदिवासी नेतृत्व की छवि के कारण भाजपा ने महत्वपूर्ण माना था.

चुनावी मैदान में चित

चम्पाई सोरेन की भाजपा में एंट्री के बावजूद भाजपा आदिवासी बहुल क्षेत्रों में पिछड़ गई. चम्पाई सिर्फ अपनी सरायकेला सीट बचा पाए. घाटशिला उपचुनाव के हालिया परिणाम ने चम्पाई सोरेन की राजनीतिक विरासत पर भी संशय लगाया है. यह हार चम्पाई के लिए भी व्यक्तिगत झटका थी. पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी, रघुवर दास, अर्जुन मुंडा जैसे दिग्गजों ने यहां उनके पुत्र के पक्ष में चुनाव प्रचार किया. झामुमो प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने चम्पाई के भाजपा में जाने को राजनीतिक आत्महत्या तक करार दिया है. चम्पाई के जाने के बावजूद झामुमो ने आदिवासी सीटों पर अपनी पकड़ मजबूत की और चम्पाई के जाने का कोई असर नहीं पड़ा. चम्पाई सोरेन अभी भी आदिवासी मुद्दों जैसे भूमि अधिकार, जनसांख्यिकी बदलाव के दावों पर मुखर हैं. घाटशिला उपचुनाव में हार के बाद भी उन्होंने कहा कि हमारी लड़ाई जनजातीय समाज की रक्षा के लिए जारी रहेगी.

विशेष राज्यों में प्रादेशिक पार्टियों और कांग्रेस के बीच अविश्वास बढ़ गया है.

सहयोगियों की नजर है कांग्रेस पर

नई दिल्ली. विपक्षी गठबंधन यानी 'इंडिया' ब्लॉक को लेकर नए सिरे से चर्चा शुरू हो गई है. लोकसभा चुनाव के बाद से ही यह सवाल घूम रहा है कि अब यह गठबंधन बचा है या खत्म हो गया. कई नेताओं ने कहा कि गठबंधन सिर्फ लोकसभा चुनाव के लिए था.

अब राज्यों में अलग अलग गठबंधन है और राष्ट्रीय स्तर के गठबंधन की बात फिर लोकसभा चुनाव से पहले होगी. परंतु राज्यों का गठबंधन भी कितना एकजुट है यह बड़ा सवाल है. राज्यों में प्रादेशिक पार्टियों और कांग्रेस के बीच अविश्वास बढ़ गया है. बिहार विधानसभा चुनाव से पहले राष्ट्रीय जनता दल के साथ कांग्रेस के नेताओं का जैसा रवैया था उससे पार्टियां असहज हैं. तभी भाजपा के नेता उनके बीच और फूट बढ़ाने के दांव चल रहे हैं.

खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस का एक और बड़ा विभाजन होगा. हो सकता है कि वह माइंड गेम हो लेकिन कांग्रेस अलर्ट है और प्रादेशिक पार्टियां उस पर नजर रखे हुए हैं. बिहार भाजपा के नेता अजय आलोक ने हेमंत सोरेन को लेकर एक सोशल मीडिया पोस्ट डाली, जिसमें उन्होंने 'हेमंत जीवंत होंगे'.

हालांकि इसका अर्थ किसी को समझ में नहीं आया लेकिन हेमंत सोरेन की पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि हेमंत जीवंत हैं और भाजपा का अंत होगा. यह तय है कि हेमंत सोरेन अब कभी भी भाजपा के साथ नहीं जाएंगे लेकिन यह भी सही है कि झारखंड में कांग्रेस और राजद के साथ जेएमएम की दूरी बढ़ी है. बिहार में कांग्रेस और राजद एक इंच पीछे हटने के तैयार नहीं थे. भले उन्होंने पूरा चुनाव गंवा दिया. चुनाव की घोषणा से पहले हेमंत पटना में कांग्रेस की रैली में शामिल हुए और बाद में सीट बंटवारे पर बातचीत के लिए अपने नेताओं को भेजा. लेकिन राजद और कांग्रेस दो सीट भी छोड़ने को तैयार नहीं हुए. इसके बाद जेएमएम ने चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया. हालांकि बाद में हेमंत सोरेन ने बड़ा दिल दिखाया और पीछे हट गए. उनके एक करीबी जानकार का कहना है कि उनको नतीजों का अंदाजा था.

कहीं ज्यादा सीट की मांग, कहीं तालमेल खटाई में

> अगले साल जिन राज्यों में विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं. उनमें केरल में कांग्रेस के नेतृत्व वाला यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट, यूडीएफ है तो तमिलनाडु में डीएमके के नेतृत्व वाला सेकुलर प्रोग्रेसिव अलायंस यानी एसपीए है. इसमें भी तमिलनाडु में कांग्रेस ज्यादा सीट की मांग कर रही है. वह पिछली बार 25 सीटों पर लड़ी थी लेकिन लोकसभा चुनाव में अपने कोटे की सभी नौ सीटें जीतने के बाद कांग्रेस के नेता ज्यादा सीटों की मांग कर रहे हैं. बाकी दो राज्यों पश्चिम बंगाल और असम में तालमेल बनता नहीं दिख रहा है.